राष्ट्रीय सेवा योजना, इलाहाबाद विश्वविद्यालय के तत्वावधान में *स्वच्छता जागरूकता अभियान एवं फिट इंडिया मूवमेंट के अंतर्गत फिट इंडिया*प्लॉगिंग रन रैली* चंद्रशेखर आज़ाद पार्क से कटरा मार्केट तक निकाली गयी।स्वच्छता जागरूकता एवं प्लास्टिक के विरुद्ध अभियान रैली को जस्टिस अग्रवाल,मेयर प्रयागराज श्रीमती अभिलाषा गुप्ता नंदी, नगर आयुक्त डॉ उज्वल कुमार सिंह, तथा रा से यो की समन्वयक डॉ मंजू सिंह ने सम्बोधन किया एवम प्लॉगिंग रन में सहभगिता की।आज़ाद पार्क में उपस्थित युवाओं को संबोधित करते हुए जस्टिस अग्रवाल ने कहा कि स्वच्छता अभियान में नगर निगम के अधिकारियों व कर्मचारियों को सबसे पहले कर्तव्य के प्रति सजग होना होगा. हमें गांधीजी की ही तरह स्वच्छता, समरसता, समानता एवं नशा मुक्ति के लिए निरंतर प्रयास करते रहना चाहिए। हम अपना संपूर्ण विकास तभी कर सकते हैं,जब महात्मा गांधी की तरह अपने अधिकारों के लिए जागरूक रहें। हमारी जागरूकता ही हमारे सफलता का प्रमुख आधार होती है। इसलिए जल संरक्षण एवं वन संरक्षण के प्रति हम स्वयं जागरूक हो और अन्य लोगों को भी जागरूक करें। गांधीजी की तरह ही हमें श्रम शक्ति के महत्व को पहचानते हुए कठिन परिश्रम के द्वारा भारत को श्रेष्ठ बनाने का प्रयास करना चाहिए। मेयर अभिलाषा गुप्ता ने स्वछता व प्लास्टिक मुक्ति की शपथ दिलाई.

तत्पश्चात इलाहाबाद विश्वविद्यालय में आयोजित कार्यक्रम में कला संकाय के डीन प्रोफेसर साहू ने युवाओं को संबोधित करते हुए कहा कि हमें गांधीजी के सपनों को साकार करने के लिए निरंतर प्रयासरत रहना चाहिए। महात्मा गांधी रामराज्य लाना चाहते थे। शांति, स्वावलम्बन और शिक्षा के क्षेत्र में निरंतर प्रयास करते हुए रामराज्य लाना हमारी जिम्मेदारी है ।मध्यकालीन इतिहास के विभागाध्यक्ष प्रोफेसर योगेश्वर तिवारी ने कहा कि गांधीजी के विचारों का प्रचार-प्रसार हमारी युवा पीढ़ी कर सकती है। इसलिए युवाओं को गांधीजी के विचारों को अपनाने की आवश्यकता है। भूगोल विभाग के विभागाध्यक्ष प्रोफेसर ओझा ने युवाओं को संबोधित करते कहा कि सेवा ही सबसे बड़ा धर्म है ।इसलिए महात्मा गांधी हमेशा सेवा को महत्व देते थे ।हम सेवा के द्वारा ही सामाजिक और राष्ट्रीय विकास कर सकते हैं।संस्कृत विभाग के विभागाध्यक्ष प्रोफेसर उमाकांत यादव ने कहा कि अनुशासन, चरित्र, भाषा पर गांधी का विशेष ध्यान था। गांधीजी की नई तालीम अहिंसा और कौशल विचार विकास पर आधारित थी।इसलिए युवा पीढ़ी को अपने शिक्षा में कौशल विकास एवं अहिंसा पर विशेष ध्यान देना चाहिए ।राष्ट्रीय सेवा योजना की समन्वयक डॉ मंजू सिंह ने कहा कि गांधीजी के विचारों पर चलकर ही हम वास्तविक विकास कर सकते हैं। इसलिए गांधी सामाजिक समानता की बात करते हैं। शास्त्रीजी व गांधीजी के पदचिन्हों पर सादगी व सामाजिक समानता अपना कर ही हम अपने राष्ट्र का विकास कर सकते हैं. इसके बाद स्वयं सेवकों द्वारा नुक्कड़ नाटक के जरिये प्लास्टिक से होनेवाले नुकसान को बताते हुवे सिंगल यूज़ प्लास्टिक मुक्त बनाने की अपील की गई । इस अवसर पर इलाहाबाद विश्वविद्यालय के प्रोफेसर धंनजय यादव, प्रोफेसर शबनम हामिद, कार्यक्रम अधिकारी डॉ अन्विता रघुवंशी , डॉ सरिता मॅक्सवेक्ल ,डॉ सुनील सुधांशु, डॉ जनार्दन ,डॉ दीनानाथ , डॉ सुधा त्रिपाठी सहित राष्ट्रीय सेवा योजना के समस्त कार्यक्रम अधिकारी एवं काफी संख्या में स्वयंसेवक , छात्र-छात्राएं एवं विश्वविद्यालय के अन्य अधिकारी, कर्मचारी, उपस्थित थे।

इसके बाद सभी स्वयंसेवकों एवं कार्यक्रम अधिकारीयों ने जलशक्ति मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा इलाहाबाद मेडिकल एसोसिएशन ऑडिटोरियम में आयोजित कार्यक्रम "साथ आएं गंगा स्वच्छता का उत्सव मनाएं " कार्यक्रम में सहभागिता किया ।

Plogging

NOT ME BUT YOU
NATIONAL SERVICE SCHEME
(Ministry of Youth Affairs & Sports, Govt of India)

NOT ME BUT YOU

Plog Run